Fourteenth Loksabha

Session : 8
Date : 11-08-2006

Participants : Chhewang Shri Thupstan

an>

Title : Loss of lives and damage to properties in Ladakh, Jammu and Kashmir due to heavy rain.

श्री छेवांग थुपस्तन (लद्दाख) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इस सदन की का और भारत सरकार ध्यान आकर्ति करना चाहूंगा। लद्दाख के बारे में यहां किसी ने जिक्र नहीं किया। देश के बहुत से क्षेत्रों बाढ़ आयी, इसके बारे में सभी जानते हैं और वहां मीडिया का भी पूरा फोकस है।

MR. SPEAKER: If senior leaders behave like this, what can I do? Both of you cannot speak together.

श्री छेवांग थुपस्तन : बड़े-बड़े शहरों में छोटी सी जगहों में बाढ़ आ जाती है, तो वहां मीडिया का फोकस होता है, सरकार भी आकर्ति होती है और सदन भी आकर्ति होता है। इस बार बहुत ही अनयूजुअल घटना हुयी है, लद्दाख में नार्मली बारिश नहीं होती है, यह एक ड्राई एरिया है, लेकिन इस बार तकरीबन दस दिनों में लद्दाख में इंसेसैंट रेन हो रही है, क्लाउड बर्स्ट हो रहा है, जिसकी वजह से आज तक वहां 11 लोग अपनी जानें गंवा चुके हैं। नेशनल हाइवे जो कि लद्दाख को देश के अन्य क्षेत्रों से, श्रीनगर और मनाली के जरिए जोड़ता है, वह प्रभावित हुआ है और सैकड़ों लोग बेघर हुए हैं। मुझे बहुत अफसोस है कि राज्य के मुख्यमंत्री वहां अधिकारियों के साथ वहां आए थे, वहां आकर उन्होंने उस एरिया का जायजा लिया और उसके बाद केवल 50 लाख रूपए उस क्षेत्र के लिए एनाउंस किए। लद्दाख में जिस तरह का नुकसान हुआ है, जानी नुकसान हुआ है, रेजीडेंशियल हाउसेज खत्म हो गए हैं, वहां एग्रीकल्चर

में साल में एक ही क्राप होती है, वह भी बिल्कुल बह गयी है, इरोजन हुआ है, उसको देखते हुए इस बात की जरूरत थी और मैंने इस संबंध में प्रधानमंत्री जी को लेटर भी लिखा है कि वहां सेंट्रल टीम भेजे जाने की जरूरत है, जो

---

* Not Recorded

वहां डैमेज को ऐसेस करें, इसके बारे में जायजा ले और इसके बारे में बताए कि इसको रोकने के लिए टेंपरेरी और लांग टर्म मेजर्स क्या किए जाएं? लेकिन मुझे अफसोस है कि प्रधानमंत्री जी की तरफ से अभी तक कोई रेस्पांस नहीं आया है। लद्दाख को नजरंदाज कर रहे हैं। लद्दाख का डिस्क्रिमिनेशन हो रहा है। राज्य सरकार तो उसे नजरंदाज कर ही रही है, केंद्र सरकार भी उसे नजरंदाज कर रही है। हम चाहते हैं कि लद्दाख को तवज्जो दी जाए। मैं भारतीय सेना की सराहना करना चाहूंगा।

MR. SPEAKER: Let us not inject politics into people's misery. He is espousing the situation there. Let us hear him and show respect to the situation.

… (*Interruptions*)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : उन्होंने बीजेपी का नाम लिया था। …(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Everybody is dictating to the Chair.

श्री छेवांग थुपस्तन : सेना के अधिकारी और जवानों ने वक्त पर सहायता पहुंचाने का काम किया। इसके अलावा कहीं भी कोई इमदाद नहीं आया। मैं प्रधानमंत्री जी से गुजारिश करूंगा कि नेशनल कैलिमिटी रिलीफ फंड से जेनरस असिस्टेंस लद्दाख को दें, क्योंकि लद्दाख के पास अपने कोई संसाधन नहीं हैं। वहां सेंट्रल टीम भेजे जाने की और जेनरल फाइनेंशियल असिस्टेंस देने की मैं गुजारिश करता हूं।

MR. SPEAKER: I am sure that the Government should look into it.